RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक- 34 | भीलवाड़ा, सोमवार, 23 फ़रवरी 2026 | पृष्ठ-04 | मूल्य-04 रूपये

पीएम मोदी ने मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी, छात्रों के साथ किया सफर

▪ स्मार्ट हलचल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन पर मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और शहरी परिवहन को मजबूत करने के सरकार के प्रयासों को बड़ा बढ़ावा मिला है।

पीएम मोदी ने मेरठ पहुंचने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद, पीएम मोदी शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन पहुंचे और मेट्रो व ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया। साथ ही आरआरटीएस के शेष खंडों का उद्घाटन भी किया, जिनमें दिल्ली में सराय काले खां से न्यू अशोक नगर तक 5 किलोमीटर का हिस्सा और उत्तर प्रदेश में मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक 21 किलोमीटर का हिस्सा शामिल है।

उन्होंने मेरठ साउथ स्टेशन तक मेट्रो की सवारी भी की और उसमें सवार यात्रियों व छात्रों से बातचीत की। इसी दौरान, दो छात्रों ने प्रधानमंत्री मोदी को कुछ तस्वीरें भी दिखाईं।

180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के साथ, नमो भारत भारत की पहली क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली है। नमो भारत से साहिबाबाद, गाजियाबाद, मोदीनगर और मेरठ जैसे प्रमुख शहरी केंद्र दिल्ली से अधिक तेजी से जुड़ पाएंगे।

कॉरिडोर की शुरुआती स्टेशन सराय काले खान, इस उद्घाटन के साथ शुरू होने वाले चार नमो भारत स्टेशनों में से एक है। यह रणनीतिक रूप से एक प्रमुख मल्टी-मॉडल हब के रूप में स्थित है, जो हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन, वीर हकीकत राय आईएसबीटी और रिंग रोड को सरलता से जोड़ता है। शुरू होने वाले अन्य तीन नमो भारत स्टेशन शताब्दी नगर, बेगमपुल और मोदीपुरम मेरठ में हैं।

एक ही बुनियादी ढांचे पर नमो भारत और मेरठ मेट्रो का यह निर्बाध एकीकरण तेज रफ्तार वाली अंतर-शहरी यात्रा और शहर के भीतर सुगम आवागमन के लिए मददगार साबित होगा, जो भारत में एकीकृत शहरी और क्षेत्रीय परिवहन के लिए एक मिसाल कायम करेगा। इससे सड़क यातायात में भीड़ कम होगी और नतीजतन वाहनों से होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में खासी कमी आएगी।

किश्तवाड़ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकी ढेर, एक कमांडर भी शामिल

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में संयुक्त बलों के साथ हुई मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) आतंकी संगठन का एक शीर्ष कमांडर और एक आतंकवादी मारा गया।

नागरोटा स्थित सेना के व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर कहा, "दो आतंकवादी मारे गए। ऑपरेशन त्राशी-1 जम्मू-कश्मीर पुलिस, अंतरराष्ट्रीय खुफिया एजेंसी और हमारे अपने खुफिया सूत्रों से प्राप्त विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए ऑपरेशन त्राशी-1 के तहत किश्तवाड़ क्षेत्र में एक सुनियोजित संयुक्त अभियान शुरू किया गया।"

उन्होंने आगे बताया, "सीआईएफ डेल्टा व्हाइट नाइट कॉर्प्स के जवानों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के साथ समन्वय में रविवार सुबह लगभग 11:00 बजे दुर्गम इलाके में आतंकवादियों से दोबारा मुठभेड़ की। सैनिकों ने मुठभेड़ स्थल पर दो आतंकवादियों को मार गिराया। इसके साथ ही 2 एके-47 राइफलों सहित भारी मात्रा में हथियार बरामद किए।"

सेना ने कहा कि तलाश जारी है और जो लोग शांति भंग करने की कोशिश करेंगे उन्हें कोई पनाह नहीं मिलेगी। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना के दो पैरा और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम के साथ हुई मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद का एक शीर्ष कमांडर मारा गया। हालांकि, मारे गए आतंकवादी का शव बरामद किया जा रहा है।

इस महीने इस इलाके में यह दूसरी घटना है। इससे पहले, 4 फरवरी को इसी घने जंगल वाले इलाके में गोलीबारी हुई थी। किश्तवार के चतरू इलाके में पिछले एक साल में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच एक दर्जन से अधिक मुठभेड़ें हुई हैं।

ऐसा माना जाता है कि इस क्षेत्र में विदेशी आतंकवादियों का एक समूह सक्रिय है, जो किश्तवाड़, डोडा और उधमपुर जिलों के बीच अपना ठिकाना बदलते रहते हैं।

सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ पाकिस्तानी आतंकवादियों के इस समूह का लगातार पीछा कर रहे हैं और इसी गहन खोज के कारण यह समूह सुरक्षा बलों पर हमला करने की कोशिश करने के बजाय एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू मंडल के पहाड़ी जिलों में पाकिस्तानी आतंकवादियों को निष्क्रिय करने के स्पष्ट आदेश दिए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने 7 फरवरी को जम्मू की अपनी पिछली यात्रा के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में पूर्ण शांति लाने के लिए मिशन-मोड दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया था।

मेरठ मेट्रो और नमो भारत कॉरिडोर पर सीएम योगी बोले- ये नए उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में स्वर्णिम अध्याय

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली-मेरठ के बीच 'नमो भारत' रैपिड रेल और मेरठ मेट्रो कॉरिडोर के शुभारंभ को नए उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा का स्वर्णिम अध्याय बताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेरठ दौरे को लेकर भी प्रतिक्रिया दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "नए उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में आज एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्रांतिधरा मेरठ में 'मेरठ मेट्रो' और 'नमो भारत' ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर 'नए उत्तर प्रदेश' की विकास यात्रा को गति प्रदान करेंगे। साथ ही आधुनिक कनेक्टिविटी के साक्षी बन रहे जनपद मेरठ को लगभग 12,930 करोड़ रुपए की अलग-अलग विकास और लोक-कल्याणकारी परियोजनाओं की सौगात प्रदान करेंगे।"

प्रधानमंत्री मोदी का उत्तर प्रदेश आगमन पर उनका स्वागत करते हुए सीएम योगी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "प्रधानमंत्री मोदी 82 किमी लंबे दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित करते हुए आरआरटीएस के शेष खंडों का उद्घाटन करेंगे। यह कदम एकीकृत शहरी और क्षेत्रीय परिवहन के लिए नई मिसाल स्थापित करेगा।

इससे पहले, मेरठ दौरे को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "उत्तर प्रदेश समेत देशभर में रेल कनेक्टिविटी के तेज विस्तार के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में रविवार को दोपहर करीब 12:30 बजे मेरठ में देश की सबसे तेज मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन के उद्घाटन का सौभाग्य मिलेगा। इसके बाद नमो भारत रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के दूसरे खंडों के शुभारंभ के साथ ही दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित करूंगा। इस दौरान कई विकास परियोजनाओं को शुरू करने का भी सुअवसर मिलेगा।"

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक, 16 मौतें

▪ स्मार्ट हलचल

PAK बोला- TTP के 7 कैंपों को निशाना बनाया, आत्मघाती हमलों का बदला लिया

अल-जजीरा के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) और इस्लामिक स्टेट से जुड़े सात कैंपों और ठिकानों को निशाना बनाया गया।

पाकिस्तान सरकार ने इसे हालिया आत्मघाती हमलों के बाद जवाबी अटैक बताया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यह इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन था। पाकिस्तान ने कहा, 'हमारे पास पुख्ता सबूत हैं कि हमले अफगानिस्तान की जमीन से चल रहे नेटवर्क ने कराए।'

अफगानिस्तानी मीडिया टोलो न्यूज के मुताबिक हमले में नांगरहार के एक घर को निशाना बनाया, जिससे एक ही परिवार के 23 लोग मलबे के नीचे दब गए। अब तक सिर्फ चार लोगों को निकाला जा सका है। हमले के समय परिवार सो रहा था, इसलिए उन्हें भागने का मौका ही नहीं मिला।

इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन (IHRF) के मुताबिक इसमें 16 लोगों की मौत हो गई। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि, आंकड़ों की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

प्रतापगढ़ पुलिस ने 6 करोड़ रुपए की ड्रग्स पकड़ी:2.7 किलो ब्राउन शुगर और 1.7 किलो केमिकल जब्त, सप्लायर फरार

प्रतापगढ़ जिले की अरनोद थाना पुलिस ने 6 करोड़ रुपए की ब्राउन शुगर और उसमें मिलाने वाला केमिकल पाउडर जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

इस कार्रवाई में पुलिस ने दो किलो 708 ग्राम ब्राउन शुगर और एक किलो 723 ग्राम ब्राउन शुगर में मिलाने वाला केमिकल पाउडर बरामद किया है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6 करोड़ रुपए बताई जा रही है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

नाकाबंदी के दौरान पकड़ा गया आरोपी

थाना अरनोद पुलिस टीम ने शनिवार रात को प्रतापगढ़ रोड स्थित राधा स्वामी सत्संग आश्रम तिराहे पर नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान देवल्दी की ओर से आ रही एक मोटरसाइकिल को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस को देखकर चालक ने बाइक मोड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

लाखों की लागत,13 साल की उपेक्षा:महिलाओं का स्नानघर आज तक नहीं हुआ शुरू,पंचायत पर लापरवाही के आरोप

▪ स्मार्ट हलचल / राजेश जीनगर

भीलवाड़ा । जहां एक और पिछले कुछ समय से नगर निगम व नगर विकास न्यास शहर के विभिन्न चौराहों व बाजार में काबिज अस्थाई अतिक्रमण पर ताबड़तोड़ कार्यवाही कर जेसीबी के पंजे कहर बरपा रही है, वहीं दुसरी और कोटा बाईपास पर बढ़ता अतिक्रमण जिम्मेदारों की अनदेखी पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है की ऐसा क्यों ?? यहां पर मार्बल व्यवसाय फल फूल रहा है तो चाय की होटलों की आढ़ में टेंट तंबू तानकर सरकारी सड़क पर कब्जा किया जा रहा है, वहीं एक डेयरी बुथ संचालक ने केबिन की बजाय पक्का निर्माण कर अतिक्रमण को बढ़ावा देना भी युआईटी के अधिकारियों की अनदेखी पर बड़ा सवाल है। उधर दुसरी और शहर

के अहिंसा सर्किल पर बढ़ते अतिक्रमण की बात करें तो नाम नहीं बताने की शर्त पर लोगों ने बताया की हमने अपने लेटर पैड पर युआईटी व जिला प्रशासन को सेंकड़ों बार शिकायतें दे दी, लेकिन नतीजा शुन्य होने से अतिक्रमण को बढ़ावा युआईटी अधिकारियों की सीधे सीधे तौर पर मिलिभगत की और संकेत करता है। जबकी यहां सांझ ढलने के साथ केबिनों की ओट से व खड़ी गाड़ियों की आड़ से अवैध शराब की बिक्री की शिकायतें आम है। लेकिन, आबकारी विभाग गंभीर नहीं तो अतिक्रमण को बढ़ावा युआईटी के अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। चर्चा तो यहां तक है की अतिक्रमियों की चेतावनी है की यहां से अतिक्रमण हटाया जाता है तो प्रशासन को इसके परिणाम भुगतने होंगे और माहौल खराब होने का जिम्मेदार भी प्रशासन रहेगा।

पुलिस की कार्यवाही ईनामी अपराधी को दबोचा

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । पंडेर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में 10 हजार के फरार ईनामी आरोपी राधेश्याम उर्फ भाणु जाट को गिरफ्तार कर लिया है जो 3 महिने से फरार चल रहा था । एसपी धर्मेन्द्र सिंह के आदेशानुसार फरार ईनामी आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु राजेश कुमार आर्य, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा के निर्देशन मे व रेवडमल मोर्य वृताधिकारी वृत जहाजपुर के सुपर विजन मे कमलेश थानाधिकारी थाना पण्डेर के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम का गठन किया गया। दिनांक 2.12.2025 को पुलिस थाना गुलाबपुरा द्वारा पुलिस चौकी 29 मील के सामने एनएच 48 पर ए.जी.टी.एफ की सूचना पर नाकाबन्दी कर एक ट्रक आर जे 50 जीबी 9417 को डिटेन कर तलाशी ली गई ट्रक से 304 किलो 700 ग्राम अवैध अफिम डोडा चूरा जप्त कर एनडीपीएस एक्ट मे मामला दर्ज कर जांच कमलेश कुमार थानाधिकारी पुलिस थाना पण्डेर द्वारा शुरू किया गया। प्रकरण मे मौके पर गिरफतार शुदा 2 आरोपियों से पुछताछ की गई तो अफिम डोडा चूरा मंगवाने वाले आरोपी राधेश्याम उर्फ भाणु पिता अर्जुन सिंह जाट उम्र 29 साल निवासी 14 एलएम थाना घडसाणा जिला श्रीगंगानगर होना पाया गया। आरोपी राधेश्याम उर्फ भाणु की तलाश 3 महिने से की जा रही थी मगर आरोपी अपनी गिरफतारी से बचने के लिये फरार चल रहा था। आरोपी को 22.2.2026 को मुखबीर की सूचना पर शादी में शामिल होकर लोटते समय गिरफ्तार किया गया।

एसपी ने दिए शहर में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की सख्ती से पालना के निर्देश, नियम तोड़ने वालो पर कार्यवाही

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । जिले के करेड़ा क्षेत्र में भीलवाड़ा । भीलवाड़ा के जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव ने शहर में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने एवं यातायात नियमों के प्रभावी पालना हेतु सख्त निर्देश दिए है । जिससे सरल, सुगम एवं सुव्यस्थित यातायात व्यवस्था हो सके । शहर में साईलेंस जोन, चैपहिया/दुपहिया वाहन पार्किंग स्थल एवं नो-पार्किंग जोन की पालना हेतु एसपी ने निर्देश दिए है और आमजन से अपील की है कि अपने वाहन पार्किंग जोन में ही पार्किंग करे ।

साथ ही यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी और बताया की यातायात नियमों की अवहेलना करने पर 279 वाहन चालकों के चालान बनाए व 4 वाहन चालकों के विरूद्ध 185 एमवी एक्ट के तहत कार्यवाही की । एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव के निर्देशानुसार शहर भीलवाड़ा में सरल, सुगम एवं सुव्यस्थित यातायात व्यवस्था हेतु शहर में जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, भीलवाड़ा द्वारा साइलेंस जोन, चैपहिया/दुपहिया वाहन पार्किंग स्थल एवं नो-पार्किंग जोन निर्धारित किये गये है परन्तु वाहन चालक द्वारा निर्धारित पार्किंग जोन में अपने वाहन पार्किंग नही कर आम रोड पर पार्किंग कर देने से दुर्घटना होने की सम्भावना बनी रहती है। साथ ही जाम की स्थिति बनती है। शहर मे सरल सुगम एवं सुव्यस्थित यातायात व्यवस्था हेतु आमजन से अपील की जाती है कि अपने वाहन पार्किंग जोन में ही पार्किंग करे अन्यथा क्रेन से उठा कर वाहन को जप्त करने की कार्यवाही की जाएगी। दिनांक 21.02.2026 को जिला पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा के निर्देशानुसार दिये गये टास्क के मध्यनजर यातायात पुलिस भीलवाड़ा ने सम्भावित दुर्घटना स्थल, ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण कर सम्बन्धित एजेन्सी से सम्पर्क कर दुर्घटना स्थल पर आवश्यक सुधार करवाये गये। साथ ही शहर में भीडभाड़ वाले क्षैत्र में अस्थाई अतिक्रमण हटवाया जाकर यातायात व्यवस्था सुचारू किया गया।

यातायात पुलिस भीलवाड़ा ने वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी और जागरूक कर यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध तेजगति में वाहन चलाने पर - 111, क्षमता से अधिक सवारी बिठाने पर-46, वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग करने पर-16, बिना हेलमेट वाहन चलाने पर-4, बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने पर-11, काली फिल्म-14, नो-पार्किंग-77 वाहन चालकों के विरूद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किये गये। साथ ही शराब पीकर वाहन चलाने पर 4 वाहन चालको के विरूद्ध धारा 185 एम.वी. एक्ट के तहत कार्यवाही की गई और वाहन जब्त किये गये।

"शहर भीलवाड़ा मे साइलेंस जोन"

ओवर ब्रिज, जिला कलक्ट्रेट कार्यालय, जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला एवं सेशन न्यायाधीश निवास, सेशन कोर्ट रोड़ एवं आसपास का क्षैत्र। राजेन्द्र मार्ग उच्च माध्यमिक विद्यालय, एमएलवी कॉलेज, से.मु. मा. राजकीय महाविद्यालय एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं समस्त महाविद्यालय एंव विद्यालय के आसपास का क्षैत्र। महात्मा गांधी चिकित्सालय एवं समस्त चिकित्सालयों के आसपास का क्षैत्र।

'शहर भीलवाड़ा में वाहन पार्किंग स्थल

चैपहिया वाहन (कार/जीप) रेलवे स्टेशन के सामने, इन्दिरा मार्केट योजना में प्रदर्शित इन्दिरा मार्केट प्याऊ के पास, पुलिस कन्ट्रोल के रूम के पीछे, लक्ष्मीनारायण मन्दिर के पास, मुख्य डाकघर की दीवार के सहारे, कॉपरेटिव के पास, सूचना केन्द्र के सामने, आयुर्वेद अस्पताल दीवार के सहारे, नागोरी गार्डन, महात्मा गांधी अस्पताल के सामने, सेशन कोर्ट के अन्दर, बादल टॉकीज के सामने, भैरव कॉम्पलेक्स के पास, शनिदेव मंदिर के सामने गांधीनगर, आजाद चैक मुर्ति के पास, आजाद चैक के अन्दर पश्चिम दिशा की दीवार के सहारे, आजाद चैक- महिला मार्केट पशु चिकित्सालय के पास, अविविनिलि कार्यालय कृषि मण्डी के सामने, गांधी मजदूर सेवालय के पास, महावीर पार्क की दीवार के सहारे एवं बंजारा होटल (इन्दिरा मार्केट) के सामने।

दुपहिया वाहन पार्किंग स्थल

सम्पूर्ण शहर में स्थित बाजार में दुकानों के बाहर सफेद लाईन के अन्दर 5 फिट के क्षेत्र में सेशन कोर्ट दीवार के सहारे, आजाद चौक के अन्दर, आजाद चौक -महिला मार्केट, एवं मुख्य डाकघर (मजार) के पास पिकअप पार्किंग स्थलः-काशीपुरी रोड़ पर मानसिंहका हवेली के सामने (रेल्वे पटरी के सहारे), बीएसएनएल ऑफिस के पास एवं गर्ल्स कॉलेज दीवार के सहारे (बड़ला चैराहा रोड)। टेम्पो/ऑटो पार्किंग स्थलः-रोडवेज बस स्टेण्ड के बाहर, महाराणा टॉकिज, अजमेर तिराहा, रेल्वे फाटक के पास, श्रीगेस्ट हाउस चैराहा बड़ला चैराहा, एम.जी. अस्पताल छोटे गेट के पास। हाथ थैला स्टेण्डः- बाजार न. 2 कन्ट्रोल रूम के पीछे, कृषि उपज मण्डी के पास।

"शहर भीलवाड़ा में नो-पार्किंग जोन"

कलेक्ट्रेट चौराहे से सीरत सराय रोड, स्टेशन चैराहा, गोल प्याऊ चैराहा, महाराणा टॉकिज, बालाजी मार्केट, सुभाष मार्केट, कोतवाली मार्ग, राजेन्द्र मार्ग, मुरली विलास मार्ग, मशीनरी मार्केट एवं आजाद चैक मार्ग।

भव्य पंचकुटी महायज्ञ व मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा

संतो के सानिध्य में हुआ सम्पन्न,10 हजार श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया भंडारे का प्रसाद

▪ स्मार्ट हलचल

मंगरोप । हलेड़ में नव निर्मित श्री जल शंकर महादेव मंदिर परिसर में पंचकुटी महायज्ञ एवं मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन श्रद्धा,भक्ति और वैदिक विधियों के साथ संपन्न हुआ।कार्यक्रम में मोहन शरण जी शास्त्री महाराज(निंबार्क आश्रम),बनवारी शरण जी महाराज(श्री काठिया बाबा आश्रम),संतदास जी महाराज(हाथी भाटा आश्रम),मोनी बाबा(किर की चौकी आश्रम)लाल बाबा जी महाराज पंचमुखी रीको एरिया) आदि सहित अनेक संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।महायज्ञ के यज्ञाचार्य मुरली मनोहर शर्मा रहे,वहीं ज्योतिषाचार्य अंबालाल जाट द्वारा संपूर्ण अनुष्ठान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूर्ण कराया गया।आयोजन के दौरान भगवान भोलेनाथ की आराधना,हवन-यज्ञ,पूजन एवं मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा के कार्यक्रम संपन्न हुए,जिससे समूचे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय हो उठा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भीलवाड़ा संसद दामोदर अग्रवाल रहे।विशेष अतिथि के रूप में माण्डल विधायक उदयलाल भड़ाना,जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा,लाड देवी आचार्य प्रशासक एवं समाजसेवी बालू लाल आचार्य उपस्थित रहे।अतिथियों ने आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने वाला बताया।आयोजन के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया,जिसमें करीब 10,000 श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

ट्रेकर के बेकाबू होने से मची अफरा तफरी, कई वाहन चपेट में आने से हुए क्षतिग्रस्त

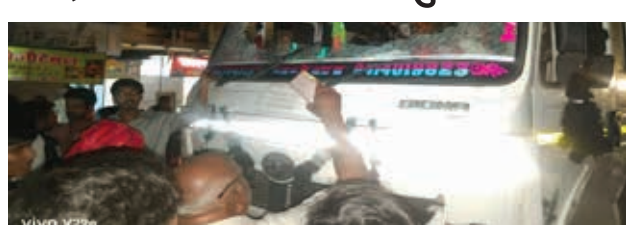

▪ स्मार्ट हलचल

बनेड़ा - कस्बे के एसएच 39-ए पर स्थित पथवारी चोराहे पर एक ट्रेलर के बैकाबू हो जाने से चोराहे पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि किसी के चोटें नहीं आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुलाबपुरा की तरफ से एक ट्रेलर आ रहा था।जिसका चालक और खलासी ट्रेलर को रोक कर कुछ सामान लेने नीचे उतरे इस दौरान अचानक ट्रैलर पीछे की तरफ जाने लगा। इस दौरान यहां पर खड़े वाहनो के ट्रैलर की चपेट में आ जाने से एक थार गाड़ी एक बोलेरो एक अल्टो कार व एक अन्य वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद ट्रेलर चालक व खलासी फरार हो गए। वहीं मामलें कि सूचना मिलते ही थाने से ASI पांचू लाल, देवराज सहित पुलिस जाप्ता पहुंचा तथा हादसे के बाद चौराहै पर जाम लग गया। पुलिस वाहनों को सड़क से साइड में करवा कर के रास्ते का खुलासा करवाया। पथवारी चोराहे तथा आसपास अवैध अतिक्रमण की भरमार होने के कारण आमजन के साथ ही राहगीरों को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ता है। अतिक्रमण के चलते यहां पर आए दिन जाम लगने की स्थिति बनी रहती है। मगर फिर भी प्रशासन द्वारा अतिक्रमियो के खिलाफ कार्रवाई नहीं जा रही है।

खामोर म एकबार फिर दिनदहाड़े चोरी, ताला तोड़कर चांदी के कुच्या व नकदी ले उड़े चोर।

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा / क्षेत्र के खामोर गांव में एक बार फिर दिनदहाड़े चोरी की वारदात सामने आई है।पीड़ित महावीर गुर्जर ने बताया कि वह दोपहर करीब 12:30 बजे गोवंश के लिए चारा लेने खेत पर गया था। करीब 2 बजे वापस लौटा तो मकान के पीछे का गेट खुला हुआ मिला और कमरे का ताला टूटा हुआ था। पास ही लोहे की सांबल पड़ी हुई थी तथा टूटा हुआ ताला जमीन पर पड़ा था।महावीर गुर्जर ने बताया कि जब वह कमरे के अंदर गया तो लोहे का छोटा बक्सा जमीन पर पड़ा मिला और उसमें रखे 5 हजार 500 रुपए चोरी हो गए तथा कमरे में पड़े कपड़े तितर-बितर थे।कमरे में कपड़ों के नीचे रखे 400 ग्राम चांदी के कुच्या गायब थे दिनदहाड़े हुई इस चोरी से क्षेत्रवासियों में दहशत का माहौल है।वही किसान के घर चोरी की वारदात से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। किसान महावीर पुत्र मेवा गुर्जर ने बताया कि मेरी पत्नी के थे चांदी के आभूषण कुच्या,रात दिन खेतों में मेहनत कर बनाई किसान की चांदी के आभूषण चोरी हो गए।गौरतलब हैं कि सितंबर माह में इस प्रकार दिन दहाड़े किसान परिवार के घर अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम देकर लाखों रुपए के गहने और नकदी चोरी हुई थी तथा पूर्व में लाखों की सोने चांदी के गहनों की 3 से 4 वारदातों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

साफ सफाई का टेंडर नहीं होने से 'सुविधा बनी दुविधा'

लोकार्पण के बाद अत्याधुनिक सुविधाओं पर ताला, अधुरे काम का लोकार्पण कर इतिश्री

▪ स्मार्ट हलचल / राजेश जीनगर

भीलवाड़ा / नगर निगम में भाजपा के बोर्ड के अंतिम दिनों में ताबड़तोड़ लोकार्पण किए गए। जिसमें महापौर राकेश पाठक द्वारा व अन्य अतिथियों द्वारा शहर के सबसे व्यस्ततम आजाद चौक में लगभग 50 लाख रुपए की लागत से अत्यआधुनिक शौचालय (सुविधाओं) व महिला स्नानघर का निर्माण किया गया। लेकिन वह लोकार्पण के बाद पुनः ताले में बंद कर दिया गए। जिसके चलते खरीददारी करने के लिए इस मार्केट में आने महिलाओं को खासी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सुविधाओ पर लगे ताले को लेकर जब जेईएन सुरेश गर्ग से बात की गई तो उन्होंने बताया गया कि इसमें साफ सफाई को लेकर टेंडर करने की प्रक्रिया शेष है, उसके पुर्ण होते ही इसे सुचारू रूप से संचालित कर दिया जाएगा। जबकि आस-पास के लोगों का कहना है की अभी कुछ काम शेष है। इसके चलते ताला लगाया गया है। उधर इस संदर्भ में जब क्षेत्रीय पूर्व पार्षद विजय लड्ढा से इसकी लागत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने अभिज्ञता जाहिर की। ऐसे में सवाल उठता है कि जब अधूरे कार्यों का लोकार्पण कर पुनः ताला लगाना था तो फिर लोकार्पण क्यों ?? क्या सिर्फ बोर्ड के कार्यकाल में हुए विकास को दिखाना था या कुछ और मकसद कुछ और था।

लोकार्पण के दौरान ये मौजूद रहे ...

आजाद चौक में 06 फरवरी 2026 आधुनिक शौचालय का निर्माण कार्य एवं वार्ड नं. 30 में विविध विकास कार्य का लोकार्पण के दौरान दामोदर अग्रवाल सांसद, सुभाष बहेड़िया निवर्तमान सांसद, अशोक कोठारी शहर विधायक, विट्ठलशंकर अवस्थी पुर्व विधायक, राकेश पाठक महापौर, प्रशांत मेवाड़ा जिलाध्यक्ष, राजकुमार आंचलिया, रामलाल योगी, धर्मेन्द्र पारीक नेता प्रतिपक्ष, विजय कुमार लढा क्षैत्रिय पार्षद आदि।

सेन समाज के भामाशाह का सम्मान और आगामी सामूहिक विवाह सम्मेलन की रूपरेखा पर हुई चर्चा

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । सेन समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति कार्यालय पर रविवार को एक विशेष बैठक और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम में नमाना (राजसमंद) के मूल निवासी और वर्तमान में वापी (गुजरात) निवासी भामाशाह मोहन सेन का साफा बंधवाकर, स्मृति चिन्ह भेंट कर और भगवा दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत-सत्कार किया गया इस अवसर पर मोहन सेन ने समाज को संबोधित करते हुए कहा, 'समाज की एकता और विकास के लिए मैं सदैव समर्पित रहूंगा हमारी प्राथमिकता निर्धन परिवारों की सहायता और शिक्षा को बढ़ावा देना होनी चाहिए सम्मान समारोह के पश्चात आयोजित समिति की बैठक में आगामी सामूहिक विवाह सम्मेलन की सफलता की रूपरेखा तैयार की गई साथ ही बैठक में सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिसमें फिजूलखर्ची पर रोक सामाजिक आयोजनों में होने वाले अनावश्यक खर्चों को कम कर उस धन का उपयोग समाज सेवा के कार्यों में किया जाए समाज के लिए एक भव्य 'सामूहिक भवन' बनाने की कार्ययोजना तैयार की गई यह भवन सामाजिक आयोजनों, शैक्षणिक गतिविधियों और बाहरी समाजबंधुओं के प्रवास के लिए उपयोगी होगा और संत शिरोमणि सेन जी महाराज के विचारों का प्रचार-प्रसार करने और समाज के गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को अवगत कराने पर जोर दिया गया इस महत्वपूर्ण बैठक में सुरेश सेन कटार मुख्य संरक्षक, दुर्गालाल सेन मांडल सेन समाज सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष, बालू लाल सेन, भगत सेन भीम पूर्व अध्यक्ष, गोपी लाल समेलिया, कोषाध्यक्ष रतन सेन भादू कार्यकारी अध्यक्ष हरिश सेन गेगास,बाबू लाल गहलोत,नरेश सेइवाल, हमीरगढ़,मनोहर लाल सेन मांडल, राजकुमार रतनपुरा,सुरेश कुंडिया,दिनेश सेन ऊपरेड़ा,भैरू लाल सेन पांसल सहित समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे ।

राव (जाटो के) समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन त्रिवेणी में सम्पन्न, तुलसी विवाह के साथ 11 जोड़े बन हमसफर

▪ स्मार्ट हलचल

समाज की प्रतिभाओं को किया सम्मान

सवाईपुर / क्षेत्र के त्रिवेणी संगम में राव (जाटों के) समाज संस्था सिंगोली चारभुजा द्वारा शनिवार को त्रिवेणी संगम मे तुलसी विवाह एंव सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसमें 11 जोड़े एक-दूसरे के हमसफर बने । प्रवक्ता कमलेश कुमार ने बताया कि 20 फरवरी शुक्रवार को 9 बजे पुष्कर से श्री राम की भगवान की बारात का स्वागत किया एव 11 बजे समाज की 11 बरातो का स्वागत किया गया, दिन मे 2 बजे भगवान के जुलूस के साथ वर वधु की धुमधाम से बैंड बाजा, ढोल, द्वारा का बंदोरी निकल गई बिंदोरी पूरे त्रिवेणी चौराहे होते हुए त्रिवेणी संगम पहुंची, शाम को नागौर के कलाकारों द्वारा मारवाड़ी खेल प्रस्तुत किया गया । इस भव्य सामुहिक विवाह आयोजन मे राव (जाटो के) समाज कमेटी द्वारा समाज के सभी बुजुर्गो, महिलाओ एव युवा साथियो का स्वागत किया गया । कल 21फरवरी शनिवार को दोपहर 1.15 बजे भगवान श्रीराम पुष्कर के साथ 11 समाज के वर पक्ष जोडो ने तोरण लगाया और भगवान श्रीराम का तुलसी माता के संग विवाह संपन्न हुआ, जिसमें 11 जोड़े एक-दूसरे के हमसफर बने । इसी के साथ समाज के बुजुर्गों का सम्मान भी कमेटी द्वारा किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक मांडलगढ़ गोपाल खंडेलवाल रहे एव विशिष्ट अतिथि हरलाल रेबारी सरपंच मुकुपुरिया, पदमश्री सम्मानित जानकीलाल भांड ,भेरुलाल सिगदार लखमणियास, छगनलाल भांड, गोपाल सांगावत जयपुर, सुरेश खेड अध्यक्ष पुष्कर समिति, सम्पत नुवा, सरवन उदयपुरवाटी, विष्णु फुलिया कला, रामपाल पावलिया सरपंच साहब, राजेंद्र कंडारा जयपुर जिनका सम्मेलन मे 50 हजार का सहयोग दिया, सुरेश मुहाना जयपुर, सिताराम तंडिगा, उदय लाल सिगदार हमीरगढ, चंद्र प्रकाश, शिव बस्सी, देबी लाल जूटक पुर, हेमंत चितोडगढ, मुकेश हिरा जी खेडा, देबी लाल नगावली एव समाज के पधारे सभी अतिथियों का मिट्ठू लाल रेवल अध्यक्ष एव उपाध्यक्ष उदयलाल सिगदार, लादू लाल सिगदार, दिनेश चारण कोषाध्यक्ष भूपेंद्र बराला, सचिव भगवान जागा, भेरुलाल रेवल भांड का खेडा एंव समस्त कमेटी द्वारा सभी अथितियो साफा एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया । इस के साथ प्रतिभा सम्मान समारोह भी किया गया, जिसमे समाज के बोर्ड परीक्षा 2025 मे 70 प्रतिशत से अधिक प्राप्त करने वाले छात्र छात्रों का एंव उत्कृष्ट खिलाड़ियों, राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर खेलने वाले खिलाडियों का भी प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देकर का स्वागत किया गया । सायं 4:00 विवाह संपन्न के पश्चात शाम 6:00 बजे विदाई का समारोह संपन्न किया गया, विदाई समारोह में पूर्व प्रधान विजय सिंह राणावत बडलियास एवं प्रकाश रेगर प्रशासक बडलियास पहुंचे, जिनका कमेटी द्वारा स्वागत किया गया शाम को 7 बजे तुलसी माता की विदाई के साथ 11 जोडो को भी विदाई दी गई ।

चुनावी नजदीकी में ढीला पड़ा प्रशासन, अतिक्रमण ने फिर जकड़ी मंगरोप की सड़कें

▪ स्मार्ट हलचल

मंगरोप। मंगरोप कस्बे के मुख्य मार्गों पर एक बार फिर अतिक्रमण और भारी वाहनों के कारण यातायात बाधित हो रहा है। सड़क किनारे बेतरतीब खड़े दुपहिया वाहन और अवैध कब्जे रोजाना जाम की स्थिति पैदा कर रहे हैं,जिससे आमजन,राहगीरों और दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।लगभग दो वर्ष पहले, हमीरगढ़ रोड पर रावली फाटक से माता का मंड तक सड़क निर्माण के दौरान पंचायत प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए अतिक्रमण हटाए थे। उस समय आयुर्वेदिक अस्पताल के बाहर लगी अस्थायी सब्जी की थड़ियां और मुख्य बस स्टैंड के पास अस्पताल से सटे विभिन्न केबिनों को हटाया गया था। इस कार्रवाई को लोगों ने सराहा था।हालांकि,समय बीतने के साथ स्थिति फिर से पुरानी जैसी हो गई है।हटाए गए अतिक्रमण धीरे-धीरे वापस आ गए हैं।अब संकरे मार्गों पर ठेले, केबिन और अवैध पार्किंग के कारण जाम लगना आम बात हो गई है, जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पंचायत प्रशासन की कार्रवाई में निरंतरता का अभाव है।उनका कहना है कि जब भी अतिक्रमण की शिकायतें बढ़ती हैं, प्रशासन दिखावे के लिए कार्रवाई करता है, लेकिन चुनावी माहौल नजदीक आते ही अतिक्रमणकारियों को फिर से खुली छूट मिल जाती है।पुलिस प्रशासन भी सड़क किनारे वाहन खड़े करने वाले को कभी कभार चेतावनी देकर इतिश्री कर लेता है।जिससे गांव में यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है।नागरिकों ने पंचायत प्रशासन से स्थायी और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण को पूरी तरह हटाया जाए, अवैध पार्किंग पर सख्ती बरती जाए और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाया जाए, ताकि कस्बे की सड़कों पर लगने वाले रोजाना के जाम से लोगों को राहत मिल सके।।

सच्चे ईश्वर की शरण प्राप्ति पर जीवन का बेड़ा पार सम्भवः-सन्त ग्यारसीलाल

▪ स्मार्ट हलचल

माण्डलगढ़। उपखण्ड मुख्यालय पर जेल के पीछे निरंकारी कॉलोनी में रात्रि को विशेष सत्संग कार्यक्रम का आयोजन भीलवाड़ा के ब्रह्मज्ञानी व ज्ञान प्रचारक महात्मा श्री ग्यारसीलाल जी के सानिध्य में किया गया। सन्त ग्यारसीलाल ने सत्संग में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सच्चे प्रभु परमात्मा जो निरंकार के रूप में सर्वत्र विराजमान है इनकी प्राप्ति के लिए पूर्ण सत्गुरु की शरण प्राप्त कर इनके साक्षात दीदार किए जा सकते है और जीवन का बेड़ा पार करना सम्भव है। सेवा,सत्संग व सिमरण की नाव के सहारे जीवन को आनन्दमयी बनाया जा सकता है। सन्त ग्यारसीलाल जी ने गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि सत्गुरु वह है जो सत्य का बोध कराकर तत्वज्ञान प्रदान करता है और मन के सभी भ्रम दूर करता है। उन्होंने बताया कि सत्गुरु न केवल सही मार्ग दिखाता है, बल्कि भटकी हुई आत्मा को मंजिल तक पहुंचाने का कार्य भी करता है। उनके अनुसार सद्गुरु सर्व समर्थवान होता है और उसके समान कोई दूसरा दाता नहीं होता। सत्संग में उन्होंने समझाया कि जब भक्त सत्गुरु से ब्रह्मज्ञान प्राप्त कर उसी मार्ग पर चलता है, तभी उसके जीवन की उलझनें दूर होती हैं। प्रभु परमात्मा की असीम शक्ति से जुड़ने पर भक्त के जीवन में विशालता, विनम्रता और प्रेम की भावना का विकास होता है। उन्होंने यह भी कहा कि भक्ति का प्रभाव व्यक्तिगत जीवन

के साथ-साथ पूरे समाज पर भी सकारात्मक असर डालता है। सत्संग आयोजक राधेश्याम महात्मा,राजकुमार महात्मा सहित उनके परिवार जनों द्वारा भीलवाड़ा से आए ज्ञान प्रचारक सन्त श्री ग्यारसीलाल जी को राजस्थानी पगड़ी- दुप्पटा व मालाऐं पहनाकर स्वागत-सम्मान किया गया। सत्संग में मांडलगढ़ ब्रांचमुखी महात्मा दुर्गालाल ,आर्सीद ब्रांच मुखी गंगापाल,रामप्रसाद संगत इंचार्ज काछोला,ज्ञान प्रचारक जितेन्द्रसिंह,मुकेश महात्मा,दुर्गालाल महात्मा ,पप्पू जी महात्मा बीगोद,हरिओम आमेटा फलासिया,बालकिशन महात्मा,रतनलाल महात्मा,अनिल महात्मा सहित अन्य सन्तो द्वारा सत्संग में गीत,भजन,विचार प्रस्तुत कर सन्तो को सद्गुरु द्वारा बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।सत्संग में बड़ी संख्या में आसपास के गांवों में बीगोद,माण्डलगढ़, सोपुरा,नन्दराय,बोरखेड़ा,कोटड़ी, पीपल्दा,काछोला,मुणपुरा सहित अन्य गांवों के श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

गर्मी की दस्तक से पहले ही खामोर अंचल में पेयजल संकट गहराया

खामोर के सातों खेड़ो के प्यासे हलक, ग्रामीणों में बढ़ता आक्रोश.. कल्याणपुरा के वाशिंदे 6 माह से पानी के लिए तरस रहे

▪ स्मार्ट हलचल

पंप हाउस का डेढ़ लाख लीटर स्टोरेज भी नाकाफी, 7-8 दिन में हो रही जलापूर्ति,कर्मचारियों द्वारा अपर्याप्त सप्लाई कर लीपापोती करते हैं।

खामोर / ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत से पहले ही खामोर क्षेत्र में पेयजल संकट ने गंभीर रूप ले लिया है। अभी तापमान ने पूरी तरह से तेवर नहीं दिखाए हैं, लेकिन जलापूर्ति व्यवस्था पहले ही जवाब देती नजर आ रही है। खामोर सहित ग्राम कल्याणपुरा, बहका खेड़ा, रामपुरा, इंदिरा कॉलोनी और करेशिया का खेड़ा में जल संकट गहराता जा रहा है। हालात यह हैं कि कई बस्तियों में 7 से 8 दिन के अंतराल में जलापूर्ति हो रही है, जिससे आमजन का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।ग्रामीणों की पीड़ा अब शब्दों में बयां होने लगी है। सुबह से ही महिलाएं खाली मटके और बर्तनों के साथ इस उम्मीद में बैठी रहती हैं कि कब नल में पानी आए और वे अपने घर की टंकियां भर सकें। कई बार घंटों इंतजार के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिलता। बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। जिन परिवारों के पास निजी साधन नहीं हैं, उन्हें दूर-दराज के हैंडपंपों या महंगे टैंकरों का सहारा लेना पड़ रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह स्थिति और भी कठिन हो गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि जलदाय विभाग की लापरवाही और स्थानीय स्तर पर कर्मचारियों की उदासीनता के कारण समस्या विकराल होती जा रही है। शिकायतें करने पर कभी पाइपलाइन में लीकेज का हवाला दिया जाता है तो कभी चंबल परियोजना से सप्लाई कम आने की बात कह दी जाती है। लेकिन धरातल पर न तो लीकेज का स्थायी समाधान नजर आता है और न ही सप्लाई में कोई नियमितता दिखाई देती है। क्षेत्र में चंबल पंप हाउस स्थापित है और लगभग डेढ़ लाख लीटर क्षमता का स्टोरेज टैंक भी बना हुआ है, जिसका उद्देश्य नियमित और पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करना था। परंतु मौजूदा हालात इन दावों पर सवाल खड़े कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इतना बड़ा स्टोरेज उपलब्ध है तो फिर जल संकट क्यों? क्या स्टोरेज क्षमता कम पड़ रही है, या फिर टंकियों को समय पर भरा ही नहीं जा रहा? यह आशंका भी जताई जा रही है कि जलापूर्ति केवल औपचारिकता निभाने के लिए कुछ समय के लिए छोड़ दी जाती है, जिससे विभाग अपनी जिम्मेदारी पूरी होने का दावा कर सके, लेकिन वास्तविकता में लोगों की टंकियां आधी-अधूरी ही रह जाती हैं। ग्राम कल्याणपुरा, बहका खेड़ा, रामपुरा, इंदिरा कॉलोनी और करेशिया का खेड़ा के निवासियों का कहना है कि यदि अभी, जब गर्मी पूरी तरह शुरू भी नहीं हुई है, यह स्थिति है तो मई-जून की भीषण गर्मी में हालात भयावह हो सकते हैं। लोग आशंकित हैं कि आने वाले दिनों में पानी के लिए संघर्ष और बढ़ेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि चंबल पंप हाउस की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, स्टोरेज टैंक की वास्तविक स्थिति और सप्लाई शेड्यूल सार्वजनिक किया जाए तथा जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही सभी प्रभावित गांवों और कॉलोनियों में नियमित, पर्याप्त और पारदर्शी जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। पानी जैसी बुनियादी आवश्यकता में अनियमितता ने क्षेत्र में असंतोष को जन्म दे दिया है। यदि समय रहते व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया गया तो यह पेयजल संकट जनआंदोलन का रूप ले सकता है। फिलहाल खामोर अंचल के लोग आसमान की ओर नहीं, बल्कि नलों की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहे हैं कि कब उनकी प्यास बुझाने के लिए पानी नियमित रूप से पहुंचे।

विभाग के एक्सईएन वादों की टंकी खालीः10 दिन बाद भी शुरू नहीं हुआ कार्य, कल्याणपुरा में 40 घर प्यासे

कल्याणपुरा में पिछले छह माह से ठप पड़ी जलापूर्ति को लेकर ग्रामीणों की उम्मीदें एक बार फिर टूटती नजर आ रही हैं। करीब 10 दिन पहले जलदाय विभाग के एक्सईएन मयंक शर्मा ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया था कि 7 से 10 दिन के भीतर क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को दुरुस्त करने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा, लेकिन तय समय गुजर जाने के बाद भी जमीनी स्तर पर कोई काम शुरू नहीं हुआ।ग्रामीणों का कहना है कि एमडीआर सड़क निर्माण के दौरान टूटी पाइप लाइन के कारण लगभग 40 घरों में पिछले छह माह से पानी की सप्लाई बंद है। कई बार शिकायत करने और अधिकारियों से मिलने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। एक्सईएन द्वारा दिए गए आश्वासन से लोगों को उम्मीद जगी थी कि अब राहत मिलेगी, लेकिन 10 दिन बीत जाने के बाद भी न तो मशीनरी पहुंची और न ही मरम्मत कार्य शुरू हुआ। इन 40 घरों के परिवार रोजाना पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत में ही पेयजल संकट ने कल्याणपुरा के इन 40 घरों की जिंदगी कठिन बना दी है और अब उन्हें केवल वादों नहीं, ठोस कार्रवाई का इंतजार है।

सन्त निरंकारी मंडल के सन्तो ने किया श्रमदान, घाटों पर की साफ सफाई

▪ स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़। संत निरंकारी मंडल उपखण्ड क्षेत्र के अनुयाईयों ने रविवार को प्रोजेक्ट अमृत के तहत त्रिवेणी संगम स्थित नदी के घाटों व परिसर क्षेत्र में श्रमदान कर साफ-सफाई की। जलाशयों को स्वच्छ रखने को लेकर लगातार कार्य करने की बात कही गई। संत निरंकारी मंडल के ब्रांचमुखी दुर्गालाल के सानिध्य में टीम के सन्तो द्वारा नदी के आसपास पसरी गंदगी को हटाकर श्रमदान किया गया। ब्रांचमुखी दुर्गालाल महात्मा ने इस अवसर पर सन्तो को सम्बोधित करते हुए कहा कि जल परमात्मा का वरदान है। हमें इस अमृत को संभाल कर रखना है। इसी को लेकर प्रोजेक्ट अमृत के सुरक्षा के हर वैधानिक मापदंड का उचित रुप में पालन करने व समुचित प्रबंधन करने की योजना बनाई गई है। इस परियोजना में अधिक से अधिक युवाओं का योगदान भी मिल रहा है। त्रिवेणी संगम नदी में श्रमदान करने के दौरान मुकेश महात्मा चोधरियास, रामप्रसाद महात्मा काछोला, राजकुमार महात्मा, राधेश्याम महात्मा मांडलगढ़, कैलाश महात्मा, लादूलाल महात्मा सोपुरा, प्रहलाद महात्मा, सुनील महात्मा सहित अन्य सन्तजन मोजूद रहे।

उद्घाटन करने पहुंचे विधायक, ग्राम पंचायत नहीं बनने पर जताया विरोध

▪ स्मार्ट हलचल

गुरलाः- भीलवाड़ा के रायपुर सहाड़ा विधानसभा सभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत गुदंली के बासड़ा में विधायक लादु लाल पितलिया विकास कार्यो का लोकार्पण समारोह में विधायक लादु लाल पीतलिया एवं गुदंली सरपंच शंभु लाल गुर्जर का विरोध जताया बासड़ा ग्राम पंचायत नहीं बनने पर और विकास कार्यों की अनियमिता के कारण विधायक पितलिया और ग्राम पंचायत गुंदली सरपंच शंभू लाल गुर्जर को ग्रामीणो के विरोध का सामना करना पड़ा बिच बचाव में भाजपा कार्यकर्ता और पुलिस प्रशासन को आना पड़ा माहौल को भापंते हुए पुर्व सांसद सुभाषचंद्र बेहडिया उद्घाटन से पहले निकले पुर्व मंत्री कालु लाल गुर्जर सुवाणा पुर्व प्रधान फूलकंवर चुंडावत निकलने लगे तो भाजपा मंडल अध्यक्ष गुंदली सरपंच शंभू लाल गुर्जर ने आग्रह करके रोका बासड़ा ग्राम पंचायत ना बनने पर ग्रामीणों ने गुंदली सरपंच भाजपा मंडल अध्यक्ष शंभू लाल गुर्जर व विधायक लादु लाल पितलिया को सुनाई खरी खोटी माहौल बिड़ता देख विधायक पितलिया तुरंत ही वापस निकल पड़े।गोरतलब हे पंचायत परिसमन मे ग़ाम बासडा को पंचायत नहीं बना कर रामपुरिया पंचायत मे जोड दिया जिसका विरोध ग़ामिण लम्बे समय से कर रहे जिसमें स्थानीय विधायक द्वारा अपने चहतो को अधिक फायदा देने की मनसा से नवीन पंचायत बासडा का घटन नहीं किया ।

सिंधी समाज का चेटीचंड 20 मार्च को

होंगे सामूहिक मुंडन और यज्ञोपवीत संस्कार निकलेगी विशाल शोभायात्रा

▪ स्मार्ट हलचल

पवित्र ज्योति, बहराणा, भजन कीर्तन व होंगे विभिन्न धार्मिक आयोजन स्थगित रहेगा व्यापार

भीलवाड़ा ।। सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल के अवतरण दिवस के उपलक्ष में आगामी 13 से लेकर 20 मार्च तक आयोजित होने वाले 8 दिवसीय चेटीचंड महापर्व-2026 को लेकर वृहद स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं. सिंधी समाज के मीडिया प्रभारी मूलचंद बहरवानी ने बताया कि तैयारियों की समीक्षा के लिए सिंधी समाज जनों की एक विशाल बैठक आज शाम को स्थानीय नाथद्वारा सराय के झूलेलाल मन्दिर में महंत टेऊंराम भगत व की अध्यक्षता में आयोजित की गई. जिसमें महापर्व के आठों दिन शहर के प्रत्येक झूलेलाल मन्दिर में भजन कीर्तन, पंजडों की प्रस्तुति, अभिषेक आरती व धार्मिक अनुष्ठानों के आयोजन सहित रात्रि में समाजजनों द्वारा पारंपरिक सामूहिक छेज खेला जाएगा. महापर्व के दौरान रविवार 15 मार्च को पूज्य हेमराज मल साहब सेवा समिति के तत्वावधान में नाथद्वारा सराय झूलेलाल मन्दिर में सुबह 11 बजे सिंधी समाज के शिक्षा विदों का सम्मान दोपहर 1 बजे समाजजनों की प्रसादी और शाम को 4 बजे से पूज्य बहराणा की स्थापना कर पूज्य झूलेलाल भगवान का आव्हान किया जाएगा. महापर्व के अंतर्गत शुक्रवार 20 मार्च को मुख्य आयोजन में मन्दिर में सुबह से देश के विभिन्न शहरों से आने वाले सिंधी समाज के नन्हें मुन्ने बच्चों के सामूहिक मुंडन व यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न होंगे इसी दौरान मन्दिर में भजन मंडलियों द्वारा भजन कीर्तन, सामूहिक नृत्य, पुष्प वर्षा व बहराणा साहब की स्थापना कर विभिन्न धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों सहित शाम 4 बजे से शहर के सभी 8 झूलेलाल मंदिरों शाम की सब्जी मंडी, सिंधु नगर, शास्त्री नगर, बापू नगर, आजाद नगर, पंचवटी, आर के आरसी व्यास नगर की लघु शोभा यात्राओं की सम्मिलित कर विभिन्न व धार्मिक झाँकियों को सम्मिलित कर विशाल शोभा यात्रा प्रारंभ होगी. उल्लेखनीय है कि चेटीचंड महा पर्व के मुख्य दिवस 20 मार्च को सिंधी समाज द्वारा अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखे जाएंगे. 20 मार्च को ही दोपहर में सिंधी समाज जनों का सामूहिक भंडारा प्रसादी होगी वहीं शाम को इंद्रा मार्केट सिंधी व्यापारी एसोसिएशन द्वारा सिंधी समाज जनों की सामूहिक भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा. बैठक में उक्त सभी तैयारियों की समीक्षा कर विभिन्न समितियों का गठन कर शेवाधारियों को दायित्व सौंपे गए.

टेउराम साहब ,मंघाराम भगत,रमेश चन्द्र सभनानी , हीरालाल गुरनानी ,विरूमल पुरशानी ,हेमनदास भोजवानी ,हरीश सखरानी ,महेश खोतानी ,रामचन्द्र खोतानी ,गुलशन कुमार विधानी , विनोद झुरानी , किशोर लखवानी ,राजकुमार टहल्यानी , कमल वैशनानी सहित गणमान्य उपस्थित थे|

आसींद विधानसभा के एनएसयूआई व यूथ कांग्रेस पदाधिकारी पहुंचे दिल्ली

▪ स्मार्ट हलचल

आसींद। रविवार को एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव संदीप चावला एवं आसींद विधानसभा यूथ कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश गुर्जर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने दिल्ली पहुंचकर एनएसयूआई के नव नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विनोद जाखड़ को एनएसयूआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। मुलाकात के दौरान भीलवाड़ा जिले सहित प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, संगठनात्मक गतिविधियों तथा छात्र हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। विनोद जाखड़ ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एनएसयूआई को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत किया जाएगा तथा युवाओं व छात्रों की आवाज को मजबूती से राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर एनएसयूआई व यूथ कांग्रेस के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रावणा राजपूत समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति की बैठक

▪ स्मार्ट हलचल

सिंगोली श्याम / मंदिर परिसर स्थित रावणा राजपूत धर्मशाला में रविवार को आयोजित हुई । सम्मेलन के संयोजक कालू सिंह मेहताजी का खेड़ा ने बताया कि बैठक में धर्मशाला नवनिर्माण पर खर्च हुए12 लाख 18 हजार 90 रुपए का समायोजन किया गया । जोगणिया माता तीर्थ स्थल पर आखा तीज 20 अप्रैल सोमवार को आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन पर चर्चा करते हुए विवाह योग्य 5 जोड़ो का पंजीयन किया गया । इस अवसर पर समाज द्वारा भाजपा नंदराय मंडल अध्यक्ष प्रकाश चंद्र सांगावत का माल्यार्पण कर सरोपाव बँधा स्वागत किया । सांगावत ने विधायक गोपाल खंडेलवाल से संपर्क कर विधायक मद से 5 लाख की घोषणा धर्मशाला निर्माण के लिए की बैठक में जगदीश सिंह ,गोपाल सिंह सांखला,सत्यनारायण सिंह चौहान ,कालू सिंह ,नारायण सिंह, भेरु सिंह, देवी सिंह ,बालू सिंह देवड़ा , नंद सिंह , गोवर्धन सिंह ,गोपी सिंह ,गणेश सिंह सहीत समाज के प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

नेता मंच पर, कार्यकर्ता पंचनामे में और लोकतंत्र जिंदाबाद!

▪ पवन वर्मा

▪ स्मार्ट हलचल

विधानसभा के बजट सत्र के दौरान ही प्रदेश की व्यापारिक राजधानी और राजनीतिक राजधानी में एक ही दिन लोकतंत्र का एक और "उत्सव" संपन्न हुआ। पत्थरों की वर्षा के बीच विचारधारा की ऐसी गंगा बही कि कार्यकर्ता सीधे अस्पताल और फिर थाने के दर्शन कर आए।

लोकतंत्र की खूबसूरती देखिए। पहले नारे, फिर धक्का-मुक्की, फिर पथराव, और अंत में एफआईआर। सुबह तक जो कार्यकर्ता पार्टी के "शेर" थे, शाम होते-होते मेडिकल रिपोर्ट और जमानत के कागज़ ढूंढते नजर आए। लोकतंत्र में भागीदारी का यह नया मॉडल है पहले जोश दिखाओ, और जब होश में आओ तो वकील खोजो।

भोपाल में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दफ्तर के बाहर और इंदौर में जो दृश्य बने, वो किसी राजनीतिक बहस से ज्यादा एक एक्शन फिल्म के क्लाइमेक्स जैसे थे। फर्क बस इतना था कि यहां "कट" बोलने वाला कोई डायरेक्टर नहीं था। कैमरे जरूर थे मीडिया के और जब कैमरे होते हैं तो जोश थोड़ा और बढ़ जाता है।

कार्यकर्ता बेचारे क्या करें? उन्हें बताया गया, लोकतंत्र खतरे में है, दफ्तर घेरना है, आवाज बुलंद करनी है। उन्होंने आवाज इतनी बुलंद की कि पत्थर भी उड़ चले। उधर सामने वाले भी कम नहीं थे, उन्होंने भी

सोचा, लोकतंत्र बचाना है तो जवाब तो देना ही पड़ेगा फिर क्या था, लोकतंत्र दोनों तरफ से सुरक्षित कर लिया गया।

अब दृश्य बदला है। अस्पताल के बाहर पट्टियां बंधी हैं, सोशल मीडिया पर बयानबाजी है, और थाने में धाराएं लगी हैं। पुलिस ने निष्पक्षता का परिचय देते हुए दोनों तरफ के कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज कर लिया है आखिर कानून सबके लिए बराबर है। जो भी पत्थर फेंके, उसे कोर्ट का रास्ता दिखे।

और नेता जी ? वे बयान दे रहे हैं, कोई कह रहा है कि हमारे शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर हमला हुआ। दूसरा कह रहा है कि हमारे दफ्तर पर सुनियोजित हमला था। दोनों तरफ से शब्दों के पत्थर अब भी चल रहे हैं, बस फर्क इतना है कि अब वे कागज और कैमरे के जरिए फेंके जा रहे हैं।

लेकिन असली नायक कौन? वही जमीनी कार्यकर्ता, जो दरियां बिछाता है, झंडे लगाता है, पर्चे बांटता है, घर घर जाकर वोटर निकालता है, जिसने जोश में आकर पार्टी का मान रखा और अब वकील का नंबर मोबाइल में सेव कर रहा है।

उसे अब समझाया जा रहा है। "डरो मत, पार्टी तुम्हारे साथ है।" लेकिन वह अच्छी तरह से जानता है कि हां, साथ है, बयान में, ट्वीट में, और प्रेस कॉन्फ्रेंस में। कोर्ट की तारीख पर साथ कौन जाएगा, यह अगली रणनीतिक बैठक में तय होगा।

लोकतंत्र में भागीदारी का यह व्यावहारिक पाठ बड़ा रोचक है। पहले नारे लगाओ, "हम लड़ेंगे!" फिर पुलिस कहे, "अच्छा, अब थाने चलिए।" वहां से आवाज आती है "वकील साहब, जमानत कराइए।"

कोर्ट-कचहरी का चक्कर भी लोकतंत्र का ही हिस्सा है। तारीख पर तारीख मिलती है, और हर तारीख पर कार्यकर्ता को याद आता है कि उसने पत्थर किस विचारधारा के लिए उठाया था। विचारधारा धीरे-धीरे धुंधली होती है, लेकिन केस नंबर याद रहता है।

सबसे सुंदर दृश्य तब होता है जब दोनों दलों के घायल कार्यकर्ता अस्पताल के कॉरिडोर में आमने-सामने पड़ जाते हैं। एक के सिर पर पट्टी, दूसरे के हाथ में प्लास्टर। दोनों की आंखों में एक ही सवाल। "ये हुआ क्या?" राजनीति में आक्रोश दिखाना आसान है, उसका दुष्परिणाम झेलना कठिन। पत्थर हवा में सेकंड भर उड़ता है, लेकिन मुकदमा सालों साल चलता है।

तो भाइयों और बहनों, अगली बार जब लोकतंत्र बचाने निकलें, तो जेब में नारा और दिल में जोश जरूर रखें, पर साथ में वकील का नंबर और थोड़ी समझदारी भी रख लें क्योंकि लोकतंत्र में पत्थर का जवाब पत्थर से नहीं, बल्कि एफआईआर से मिलता है और अंत में वही पुराना सत्य नेता मंच पर, कार्यकर्ता पंचनामे में और लोकतंत्र जिंदाबाद!

बदलते पोषण परिदृश्य में सूचित विकल्प का अधिकार

आकर्षक विज्ञापन, चमकदार पैकेजिंग और भ्रामक दावे

▪ डॉ० सत्यवान सौरभ

▪ स्मार्ट हलचल

भारत का पोषण परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। लंबे समय तक सार्वजनिक नीति का केंद्र भूख, कुपोषण और खाद्य उपलब्धता रहा, परंतु आज देश दोहरे पोषण संकट का सामना कर रहा है। एक ओर बच्चों और महिलाओं में अल्पपोषण, रक्ताल्पता और अवरुद्ध वृद्धि जैसी समस्याएँ बनी हुई हैं, तो दूसरी ओर मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी असंचारी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मानवीय विकास से भी जुड़ी हुई है।

इस परिवर्तन के पीछे खाद्य उपभोग की आदतों में आया बदलाव एक महत्त्वपूर्ण कारण है। पारंपरिक घरेलू भोजन की जगह अब डिब्बाबंद, पैकेटबंद और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की खपत बढ़ी है। इन उत्पादों में प्रायः शर्करा, नमक और संतृप्त वसा की मात्रा अधिक होती है। आकर्षक विज्ञापन, चमकदार पैकेजिंग और भ्रामक दावे उपभोक्ताओं को यह विश्वास दिलाते हैं कि ये उत्पाद सुरक्षित या स्वास्थ्यवर्धक हैं। परिणामस्वरूप उपभोक्ता वास्तविक पोषण मूल्य को समझे बिना निर्णय ले लेते हैं।

ऐसे परिवेश में पैकेज के अग्रभाग पर स्पष्ट और सरल लेबलिंग की आवश्यकता उभरकर सामने आती है। पारंपरिक पोषण तालिकाएँ प्रायः पैकेट के पीछे छोटे अक्षरों में दी जाती हैं, जिन्हें समझना सामान्य उपभोक्ता के लिए कठिन होता है। इसके विपरीत, पैकेज के सामने बड़े और स्पष्ट संकेत—जैसे "उच्च शर्करा", "उच्च नमक" या "उच्च वसा"—उपभोक्ता को तुरंत सचेत कर सकते हैं। यह व्यवस्था सूचना को जटिलता से निकालकर व्यवहारिक स्तर पर उपलब्ध कराती है।

सूचित विकल्प का अधिकार उपभोक्ता संरक्षण का मूल आधार है। किंतु भोजन के संदर्भ में यह अधिकार केवल बाज़ार संबंधी नहीं, बल्कि जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा हुआ है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जिसकी न्यायिक व्याख्या में स्वास्थ्य का अधिकार भी सम्मिलित है। यदि नागरिक को यह जानकारी ही उपलब्ध न हो कि कोई खाद्य पदार्थ उसके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है या नहीं, तो जीवन के अधिकार की सार्थकता अधूरी रह जाती है। अतः स्पष्ट लेबलिंग स्वास्थ्य के संवैधानिक अधिकार को व्यावहारिक रूप देने का साधन बन सकती है।

बाज़ार व्यवस्था में उत्पादक और उपभोक्ता के बीच सूचना का असंतुलन एक सामान्य स्थिति है। उत्पादक को अपने उत्पाद की संरचना, अवयवों और संभावित प्रभावों की पूरी जानकारी होती है, जबकि उपभोक्ता सीमित जानकारी के आधार पर निर्णय लेता है। पैकेज के अग्रभाग पर लेबलिंग इस असंतुलन को कम करने का प्रयास करती है। जब जानकारी सरल, प्रत्यक्ष और चेतावनी के रूप में दी जाती है, तो उपभोक्ता अधिक सजग होकर चयन करता है।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव इस दृष्टिकोण की प्रभावशीलता को प्रमाणित करते हैं। उदाहरण के लिए, चिली में लागू स्पष्ट चेतावनी लेबलों के बाद उच्च शर्करा और उच्च वसा वाले उत्पादों की खपत में कमी देखी गई। इससे यह सिद्ध होता है कि यदि जानकारी सुलभ और स्पष्ट हो, तो उपभोक्ता व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

निवारक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह व्यवस्था अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। असंचारी बीमारियों के उपचार पर होने वाला व्यय परिवारों और सरकार दोनों

के लिए भारी पड़ता है। यदि आहार संबंधी जोखिम कारकों को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित किया जाए, तो दीर्घकाल में रोग-भार कम किया जा सकता है। सरल लेबलिंग उपभोक्ता को दैनिक जीवन के छोटे निर्णयों में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का अवसर देती है। यह उपचार के बजाय रोकथाम पर बल देने वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति को सुदृढ़ करती है।

विश्व स्तर पर भी स्पष्ट और व्याख्यात्मक लेबलिंग प्रणालियों को प्रभावी माना गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह रेखांकित किया है कि विशेषकर विकासशील देशों में सरल और चेतावनी-आधारित संकेत उपभोक्ता समझ को बढ़ाते हैं तथा आहार संबंधी व्यवहार में परिवर्तन लाने में सहायक होते हैं। यह केवल उपभोक्ता को ही नहीं, बल्कि उत्पाद निर्माताओं को भी अपने उत्पादों की संरचना में सुधार के लिए प्रेरित करता है।

उद्योग जगत का एक वर्ग यह तर्क देता है कि कठोर लेबलिंग से बिक्री घट सकती है और छोटे उत्पादक प्रभावित हो सकते हैं। किंतु अनुभव यह दर्शाता है कि जब स्पष्ट मानक निर्धारित होते हैं, तो उद्योग नवाचार और पुनर्संरचना के माध्यम से स्वयं को अनुकूलित कर लेता है। यदि उपभोक्ता उच्च शर्करा या नमक वाले उत्पादों से बचने लगते हैं, तो उत्पादक स्वाभाविक रूप से उनके स्तर को कम करने का प्रयास करते हैं। इस प्रकार लेबलिंग स्वस्थ प्रतिस्पर्धा

को बढ़ावा देती है।

भारतीय संदर्भ में खाद्य नियमन का दायित्व भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के पास है। साथ ही, भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने भी जनस्वास्थ्य से जुड़े विषयों में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व पर बल दिया है। यह स्पष्ट संकेत है कि खाद्य लेबलिंग केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि व्यापक सार्वजनिक हित का विषय है।

फिर भी इस व्यवस्था के क्रियान्वयन में कई चुनौतियाँ हैं। पहली चुनौती उद्योग का प्रतिरोध है, जो इसे आर्थिक दृष्टि से हानिकारक मानता है। दूसरी चुनौती लेबलिंग के स्वरूप को लेकर मतभेद है—क्या चेतावनी आधारित मॉडल अपनाया जाए या किसी प्रकार की श्रेणीकरण प्रणाली। तीसरी चुनौती प्रवर्तन और निगरानी की है, क्योंकि देश में लाखों खाद्य उत्पाद उपलब्ध हैं। चौथी चुनौती उपभोक्ता साक्षरता की है, विशेषकर ग्रामीण और निम्न आय वर्गों में, जहाँ पोषण संबंधी जागरूकता सीमित है।

इन चुनौतियों का समाधान संतुलित और चरणबद्ध नीति के माध्यम से संभव है। व्यापक जन-जागरूकता अभियान, सरल प्रतीकों का प्रयोग और कठोर प्रवर्तन तंत्र इस दिशा में सहायक हो सकते हैं। विद्यालयों और सामुदायिक स्तर पर पोषण शिक्षा को सुदृढ़ करना भी आवश्यक है, ताकि लेबलिंग का संदेश प्रभावी ढंग से समझा जा सके।

अंततः, पैकेज के अग्रभाग पर लेबलिंग बदलते पोषण परिदृश्य में सूचित विकल्प के अधिकार को सशक्त बनाने का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है। यह उपभोक्ता को निष्क्रिय खरीदार से सक्रिय और जागरूक नागरिक में रूपांतरित करती है। पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और निवारक स्वास्थ्य के सिद्धांतों पर आधारित यह व्यवस्था भारत को उपचार-केंद्रित दृष्टिकोण से हटाकर स्वास्थ्य-उन्मुख खाद्य प्रणाली की ओर अग्रसर कर सकती है। यदि इसे दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक आधार और सामाजिक सहभागिता के साथ लागू किया जाए, तो यह एक स्वस्थ, सक्षम और जागरूक भारत की दिशा में निर्णायक कदम सिद्ध हो सकती है।

पुष्कर कलश यात्रा में चेन स्नैचिंग से हड़कंप, पांच महिलाएं बनीं शिकार; सुरक्षा-व्यवस्था पर गंभीर सवाल

▪ स्मार्ट हलचल

अजमेर/ धार्मिक नगरी पुष्कर में सोमवार को सनातनियों का महाकुंभ होगा । बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री की हनुमंत कथा नया मेला मैदान में तीन दिवसीय होगी। रविवार को बागेश्वर धाम हनुमंत कथा से पूर्व निकाली गई कलश यात्रा के दौरान चेन स्नैचिंग की घटनाओं से अफरातफरी मच गई। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ का फायदा उठाकर बदमाशों ने एक के बाद एक पांच महिलाओं को अपना शिकार बनाया। घटना के बाद यात्रा मार्ग पर कुछ समय के लिए तनाव और भगदड़ जैसे हालात बन गए, जिससे आयोजन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, अजमेर से आई एक महिला का मंगलसूत्र बदमाशों ने झपट लिया। वहीं, बजरंग कॉलोनी निवासी महिला की करीब तीन तोले की सोने की चेन तोड़ ली गई। इस घटना से महिला घबरा गई और मौके पर ही अचेत हो गई। इसके अलावा पुष्कर पावर हाउस की ढाणी क्षेत्र की एक बुजुर्ग महिला की भी तीन तोले की सोने की चेन तोड़ने का मामला सामने आया है, जिसकी रिपोर्ट पुष्कर थाने में दर्ज करवाई गई है। अन्य दो महिलाओं के साथ भी इसी तरह की वारदात हुई, हालांकि उन्होंने अभी तक लिखित शिकायत नहीं दी है।

घटना के बाद मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने पीड़ित महिलाओं को संभाला और प्राथमिक उपचार दिलाया। वहीं, चेन स्नेचिंग की लगातार घटनाओं से श्रद्धालुओं में दहशत का माहौल बन गया। पीड़ितों और उनके परिजनों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि इतनी बड़ी धार्मिक यात्रा में पर्याप्त पुलिस बल और निगरानी व्यवस्था नहीं थी। दो पीड़ित महिलाओं ने पुष्कर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रामीण सीओ रामचन्द्र चौधरी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दे दिए गए हैं और आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं, ऐसे में पुलिस को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। इस घटना के बाद प्रशासन से मांग की जा रही है कि भविष्य में इस तरह के आयोजनों के दौरान अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए और सादी वर्दी में भी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाए, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में धार्मिक कार्यक्रमों में भाग ले सकें।

फाग गीतों और उमंग के रंगों में रंगा फाग उत्सव मनाया गया

▪ स्मार्ट हलचल

आकोला / बड़लियास कस्बे में मुरली मनोहर मंदिर वह बगीची के बालाजी के मंदिर प्रांगण में महिला सखी मित्र मंडल द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने फागणिया पहनकर उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए परंपरागत लोक-संस्कृति और आपसी सौहार्द का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। फागोत्सव पर्व महिला सखी मित्र मंडल के कुशल मार्गदर्शन में कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ। गणेश वन्दना से प्रारम्भ हुये उत्सव में ' रंग मत डाल रे सांवरिया, म्हाने गुजर मारे रे, रंग मत डाल' पर नृत्य करते हुये मनमोहक प्रस्तुति दी। वह महिलाओं ने अपने संबोधन में कहा कि फागोत्सव केवल रंगों का पर्व नहीं बल्कि आपसी प्रेम, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने का सशक्त माध्यम है। इस मौके पर बगीची के बालाजी मंदिर में विशाल छप्पन भोग व भजन-कीर्तन के तत्पश्चात प्रसाद वितरण जैसी सभी व्यवस्थाओं को सामूहिक सहयोग से सफल बनाया।

नियमन हेतु संघर्ष समिति की कार्यकारिणी की मीटिंग में लिए महत्वपूर्ण निर्णय

▪ स्मार्ट हलचल

सांगानेर । सांगानेर और बगरू विधानसभा क्षेत्र की 86 कॉलोनीयों के निवासियों ने अपने आशियाना बचाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का निर्णय लिया है। आज शिवम मैरिज गार्डन में आयोजित मीटिंग में 800 से 900 महिला पुरुष और प्रभावित कॉलोनीयों के लोगों ने भाग लिया।

संघर्ष समिति संयोजक रामप्रसाद ढाकां व, अध्यक्ष रघुनंदन सिंह हाड़ा सचिव परशुराम ने बताया की मीटिंग में लिए गए निर्णय के अनुसार, आगामी 08 मार्च को शांतिपूर्वक मार्च निकाला जाएगा और धरना और घेराव की कार्रवाई की जाएगी। लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर स्थानीय विधायक और मुख्यमंत्री इस जनहित मामले में गंभीरता से नहीं लेते हैं, तो जन आंदोलन होगा, टोंक रोड को जाम किया जाएगा, विधानसभा का घीराव किया जाएगा, मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय का घेराव किया जाएगा और किसी भी रूप में आंदोलन अपने आशियाना बचाने के लिए किया जाएगा।

लोगों का आरोप है कि सरकार संवैधानिक और मौलिक अधिकारों का हनन कर रही है और लाखों लोगों को बेघर करके सड़क पर आने को मजबूर कर रही है। उनका कहना है कि सांगानेर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अदानी को दिए जाने के बाद इसकी सीमा और क्षेत्र को बढ़ाया जाएगा, जिससे इन कॉलोनीयों को अदानी को दिया जाना संभावित है।

लोगों ने मांग की है कि सरकार इन कॉलोनीयों को वैध घोषित करे और इनके निवासियों को उनका हक दिलाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे, इस दौरान नियमन हेतु संघर्ष समिति अध्यक्ष रघुनंदन सिंह हाडा, महासचिव परशुराम चौधरी, संयोजक राम प्रसाद ढाका (गौरव सेनानी) विधिक सलाहकार अशोक कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ विष्णु कुमार गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकर लाल पुनिया, सचिन राजेंद्र सिंह राजावत, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह चौधरी, मीडिया प्रभारी भरत लाल मीणा सहित समिति पदाधिकारियों के साथ हजारों की तादाद में महिला पुरुषों ने मीटिंग में शामिल होकर सरकार के प्रति कड़ा आक्रोश व्यक्त किया आगामी दिनों में सड़कों पर उतरने व चक्का जाम सहित कई प्रकार जन आंदोलन खड़ा करने की सभी की आपसी सहमति बनी।

नाबालिक किशोरी से दुष्कर्म व कथित धर्मांतरण के आरोप में युवक गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया

▪ स्मार्ट हलचल

खखरेरू /फतेहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिक किशोरी के साथ दुष्कर्म एवं कथित धर्मांतरण के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की कार्रवाई की है

पुलिस के अनुसार महताब आलम उर्फ चांद उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्र मसरूर अहमद उर्फ मस्सू को मुखबिर की सूचना पर पनिहा बाबा चौराहे के पास से गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर उसे न्यायालय में पेश किया गया जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने का आदेश दिया गया

मामले में 13 फरवरी को पीड़ित परिवार ने थाने में तहरीर देखकर आरोप लगाया था कि उसकी नाबालिक पुत्री से आरोपी पिछले करीब 6 माह से संपर्क में था बताया गया कि आरोपी के पिता की किराना की दुकान पीड़ित परिवार के घर के सामने स्थित है जहां किशोरी अक्सर सामान लेने जाया करती थी

परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान युवक किशोरी को बहला फुसला कर उसके साथ दुष्कर्म किया तथा धर्मांतरण के लिए दबाव बनाया शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की थी।

मालपुरा में विद्युत तार चोरों के हौसले बुलंद

25 पोल से तार काटे, डेढ़ किलोमीटर लंबी 11 केवी लाइन को बनाया निशाना

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर जवाजा क्षेत्र के मालपुरा गांव में बीती रात विद्युत तार चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी 11 केवी विद्युत लाइन के 20 से 25 पोल के तार काटकर चोरी करने का प्रयास किया। हालांकि ग्रामीणों की सतर्कता से चोर अपने मंसूबों में पूरी तरह सफल नहीं हो सके और मौके से बाइक व चोरी किए गए तार छोड़कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार घटना रात करीब 2:00 बजे की है। स्थानीय ग्रामीण प्रवीण सिंह ने बताया कि देर रात अचानक बाइक की तेज आवाज सुनाई दी। शक होने पर जब वे घर से बाहर निकले तो देखा कि एक युवक विद्युत तार चोरी कर रहा था। ग्रामीणों द्वारा शोर मचाने पर आरोपी घबराकर भागने लगा, लेकिन इस दौरान बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह चोरी किए गए तार सहित नीचे गिर गया। शोर सुनकर अन्य ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। भीड़ बढ़ती देख चोर बाइक और तार छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया। इसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत लाइनमैन सलीम काठात को सूचना दी। सूचना मिलते ही लाइनमैन सलीम काठात और साकेत नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। लाइनमैन ने बताया कि रामपुरा गुदां का बाला से मालपुरा तक पहाड़ी क्षेत्र में नया 11 केवी विद्युत फीडर डाला गया है। इसी फीडर पर अज्ञात चोरों ने पहले चालू लाइन को ट्रिप किया और फिर सुनियोजित तरीके से 20 से 25 विद्युत पोलों के तार काट लिए। उन्होंने बताया कि इतनी बड़ी लंबाई में तार काटे जाने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो सकती थी, लेकिन समय रहते ग्रामीणों के जागने से बड़ा नुकसान टल गया

ग्रामीणों के जागने पर बाइक व तार छोड़कर फरार हुए चोर

लिखित शिकायत थाने में दर्ज करेगी

घटना के बावजूद समाचार लिखे जाने तक विद्युत विभाग द्वारा पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है, जिससे कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों में आक्रोश, गश्त बढ़ाने की मांग ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। इससे लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

खाटूश्यामजी मेले की सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया विस्तृत जायजा

खाटूश्यामजी मेले में श्रद्धालुओं की आवक शुरू, सीकर एसपी प्रवीण नायक नूनावत ने संभाली कमान

▪ स्मार्ट हलचल

जयपुर । विश्वविख्यात श्री खाटूश्याम मंदिर में आयोजित लक्खी फाल्गुन मेले के दौरान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार सुरक्षा को लेकर जिला पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सीकर एसपी प्रवीण नायक नूनावत ने स्वयं मौके पर पहुंचकर मेले की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस उपाधीक्षक आनंद राव, थानाधिकारी पवन कुमार चौबे, मंदिर कमेटी के मंत्री मानवेन्द्र सिंह चौहान, कमांडो दल एवं पुलिसकर्मियों के साथ कस्बे के प्रमुख आवक मार्गों, पार्किंग स्थलों, मेला बाजार और मुख्य मंदिर परिसर का भ्रमण कर जमीनी स्तर पर तैयारियों का आकलन किया। इस दौरान पुलिस दल ने काफिले के साथ रूट मार्च भी किया, जिससे आमजन में सुरक्षा का विश्वास और मजबूत हुआ।

35 लाख श्रद्धालुओं की संभावित आमद के मद्देनजर

सुरक्षा और व्यवस्थाओं को दिया अंतिम रूप

आगामी दिनों में लगभग 35 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और सुलभ दर्शन व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) वीके सिंह द्वारा पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराया गया है। संवेदनशील स्थानों पर विशेष तैनाती, सीसीटीवी निगरानी, नियमित गश्त और सतत मॉनिटरिंग के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र पर पैनी नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

दिन-रात सक्रिय पुलिसिंग से श्रद्धालुओं में भरोसा, हर कदम पर सतर्कता

रात हो या दिन — सुरक्षा व्यवस्था हर पल सक्रिय है। निरंतर नाइट पेट्रोलिंग, 24 घंटे तैनाती और अनुशासित प्रबंधन के माध्यम से श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगमता और सुविधा सुनिश्चित की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मेला क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ श्रद्धालुओं को सहज, सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण प्रदान करना ही प्राथमिक उद्देश्य है। मंदिर कमेटी की ओर से मंत्री मानवेन्द्र सिंह चौहान ने सेवादारों की तैनाती और की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी दी। प्रशासन और मंदिर कमेटी के समन्वय से व्यवस्थाएं और अधिक प्रभावी रूप से संचालित हो रही हैं।

हेल्पलाइन नंबर 24×7 सक्रिय, त्वरित सहायता के लिए तत्पर पुलिस

एसपी नूनावत ने बताया कि किसी भी प्रकार की सहायता हेतु श्रद्धालु तुरंत संपर्क कर सकते हैं:

112 (आपातकालीन सेवा)

9666780088 (खाटू मेला पुलिस हेल्पलाइन)

राजस्थान पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित रहे — यही उनका संकल्प है।

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

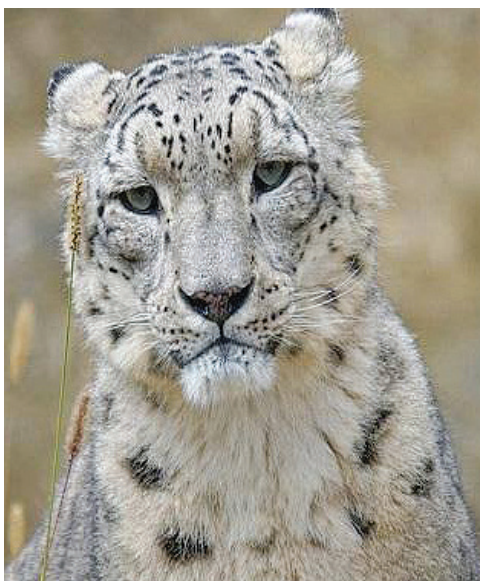

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग
वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉर्ट्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

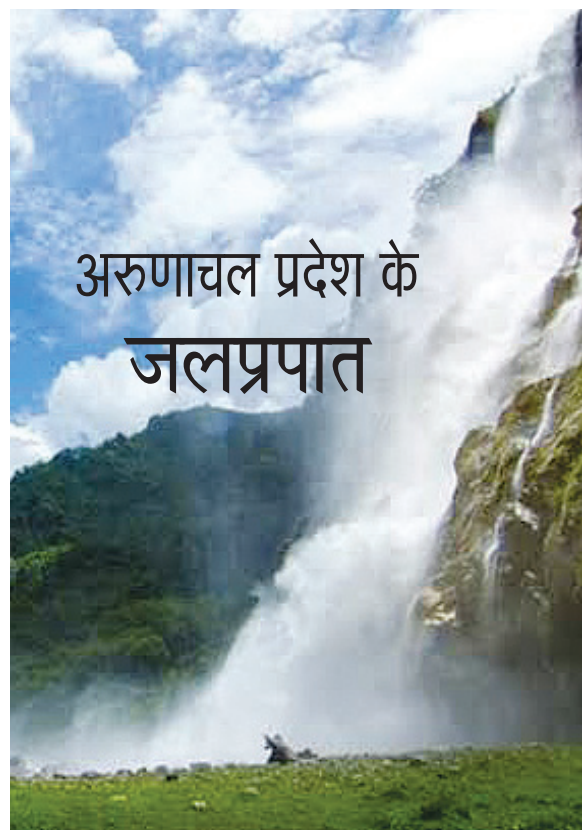

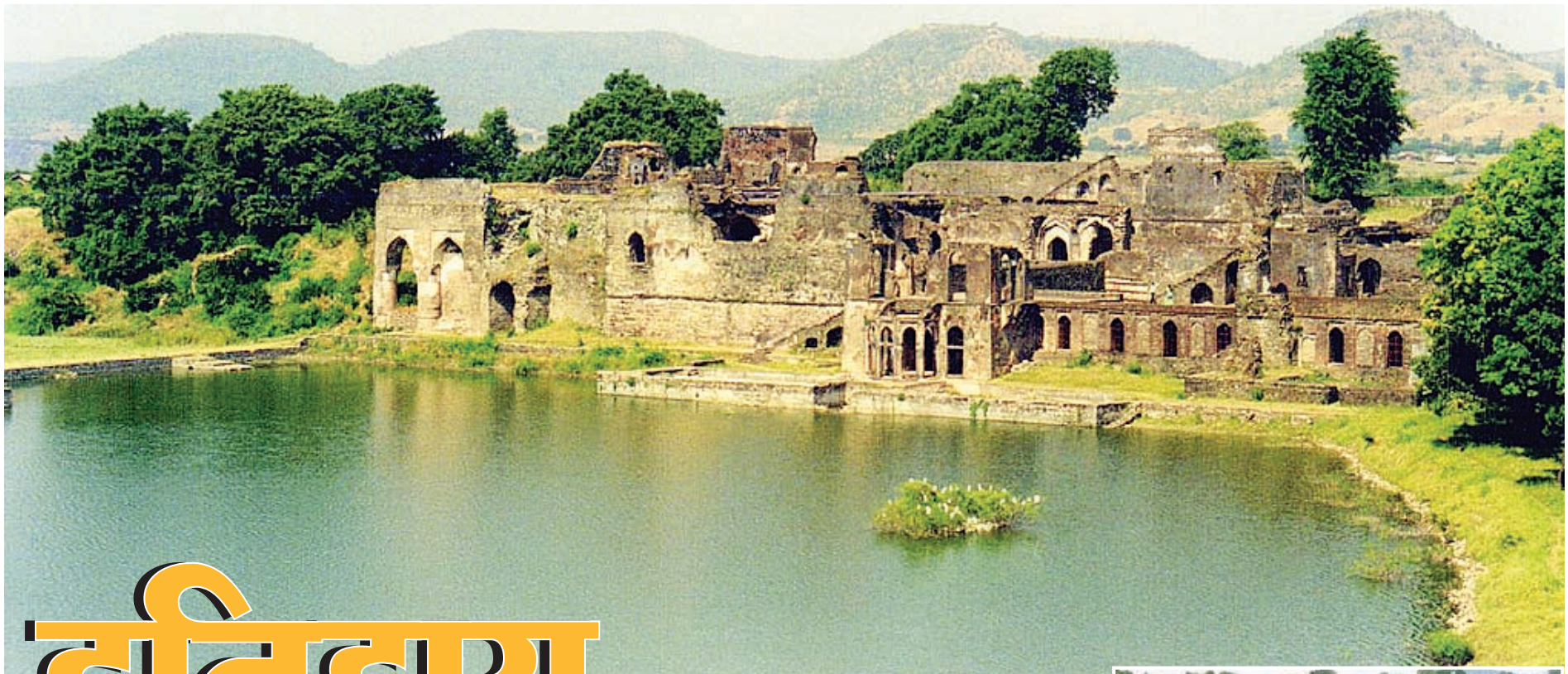

इतिहास और प्रेम का शहर माण्डू

माण्डू को रचने-बसाने का प्रथम श्रेय परमार राजाओं को है। हर्ष, मुंज, सिंधु और राजा भोज इस वंश के महत्वपूर्ण शासक रहें हैं। किंतु इनका ध्यान माण्डू की अपेक्षा धार पर ज्यादा था, जो माण्डू से महज 30 किलोमीटर है। परमार वंश के अंतिम महत्वपूर्ण नरेश राजा भोज का ध्यान वास्तु की अपेक्षा साहित्य पर अधिक था और उनके समय संस्कृत के महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे गए। मांडू प्राचीन शहर है और इसका जिक्र 555 ईसवीं के संस्कृत अभिलेखों में भी है। इन अभिलेखों से पता चलता है कि मांडू छठी शताब्दी का खूबसूरत शहर हुआ करता था। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में परमार वंश के शासकों ने इस पर अधिकार किया और इसका नाम मांडवगढ़ रखा। 13वीं शताब्दी में परमारों ने अपनी राजधानी धार से मांडू स्थानांतरित कर दी और इस शहर का महत्व बढ़ गया। 1305 में खिलजी वंश से पराजित होने के बाद परमारों का मांडू से आधिपत्य समाप्त हो गया। मध्य प्रदेश के 21 वर्ग किलोमीटर तक फैले पठार पर बना मांडू, प्रेम के शहर के रूप में भी याद किया जाता है. यह मध्य प्रदेश के विंध्य पर्वतमाला और दक्षिणी इंदौर के पश्चिम में बसा हुआ है।

मुगलों के साम्राज्य के पतन के बाद मालवा के अफगान गवर्नर दिलावर खान ने मांडू को स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित किया। उन्होंने मांडू का नाम बदलकर सादियाबाद यानी खुशियों का नगर रखा। दिलावर खान गौरी के पुत्र हरशंग शाह ने मांडू का विकास किया और इसे संपन्न बनाया। यह युग मांडू का स्वर्णकाल कहा जाता है। इसके बाद कई मुगल शासकों ने मांडू पर राज किया फिर 1732 में मराठों ने इस पर अधिकार कर लिया।

अद्वितीय वास्तुशिल्प

सुल्तानों के काल में यहां महत्वपूर्ण निर्माण हुए। दिलावर खां गोरी ने इसका नाम बदलकर शादियाबाद (आनंद नगरी) रखा। होशंगशाह इस वंश का महत्वपूर्ण शासक था। मुहम्मद खिलजी ने मेवाड़ के राणा कुम्भा पर विजय के उपलक्ष्य में अशर्फी महल से जोड़कर सात मंजिला विजय स्तंभ का निर्माण कराया (अब इसकी केवल एक ही मंजिल सलामत है)। हालांकि यह तथ्य विवादित है क्योंकि राणा कुम्भा ने भी मुहम्मद खिलजी पर विजय की स्मृति में चित्तौड़ के विश्व प्रसिद्ध विजय स्तंभ का निर्माण कराया था। आमतौर पर इतिहासकार मानते हैं कि राणा ने खिलजी को बंदी बनाया था और माफी पर उसे छोड़ा था। फिर भी फरिश्ता जैसे इतिहासकार मुहम्मद खिलजी की वीरता की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं। वह लिखता है कि खिलजी हमेशा युद्ध में रहता है। अशर्फी महल का निर्माण मदरसे के तौर पर हुआ था और उसके कई कमरे आज भी काफी अच्छी अवस्था में हैं।

बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी

बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी की वजह से भी मांडू की अलग पहचान है। बाज बहादुर संगीतज्ञ थे जबकि रानी रूपमती गायिका थीं। वह रूपमती से गायिकी सीखना चाहते थे। कहा जाता है जब उन्होंने रानी रूपमती को जंगल में स्नान करते देखा तो उन पर फिदा हो गये। उन्होंने रूपमती को मांडू आने का न्यौता दिया लेकिन रूपमती नर्मदा नदी के दर्शन करके ही गाना गाती थीं। इसलिए बाज बहादुर ने उनका आश्रय ऐसे स्थान पर बनाया जहां से नर्मदा नदी को आसानी से देखा जा सके। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में इसका नाम मांडवगढ़ था लेकिन बाद में इस शहर को सादियाबाद के नाम से भी जाना गया। समुद्र तल से 2000 फीट की ऊंचाई पर बसा मांडू इतिहास और प्राकृतिक खूबसूरती के कारण प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग कहा जाता है।रूपमती के सौन्दर्य की चर्चा दूर-दूर तक फैल चुकी थी और इसी चर्चा से प्रभावित होकर अकबर ने मांडू पर आक्रमण कर दिया। इसकी भनक लगते ही रूपमती ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। बाद में बाज बहादुर अकबर के दरबार में संगीतज्ञ बन गये।

आल्हा-ऊदल के वीरता की कहानी

आल्हा-ऊदल के बिना माण्डू का वर्णन अधूरा माना जाता है। आल्हाखण्ड में महाकवि जगनिक ने 52 लड़ाइयों का जिक्र किया है। उसमें पहली लड़ाई माड़ौगढ़ की मानी जाती है, जिसका साम्य इसी माण्डू से किया जाता है। इसलिए आल्हा गायकों के लिए माण्डू एक तीर्थस्थल सरीखा है। बुंदेलखंड के लोग यहां इस लड़ाई के अवशेष देखने आते हैं। राजा जम्बे का सिंहासन, आल्हा की सांग, सोनगढ़ का किला, जहां आल्हा के पिता और चाचा की खोपड़ियां टांगी गई थी और वह कोल्हू जिसमें दक्षराज-वक्षराज को करिंगा ने पीस दिया था। ये सब आज भी आल्हा के मुरीदों को आकर्षित करते हैं।

'माण्डू सिटी ऑफ जॉय' के लेखक गुलाम यजदानी के अनुसार माण्डू के भवन रोमन, ग्रीक ईरानी, यूनानी, गैथिक, अफगान और हिंदू शैली से बने हैं। हिंदू शैली में बने भवन मुख्य हैं- हिण्डोला भवन, जामी मस्जिद, होशंगशाह का मकबरा आदि। पत्तियां, कमल के फूल, त्रिशूल, कलश, बंदनवार आदि इसके गवाह हैं। अफगान शैली में बने भवन हैं- रूपमती मण्डप, बाजबहादुर महल दरिया खां का मकबरा, जहाज महल आदि।

क्या देखें

सोलहवीं शताब्दी में बाज बहादुर द्वारा बनाया गया महल यहां के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में शामिल है। इस महल की विशेषत यह है कि यहां से चारों तरफ का बेहतरीन नजारा नजर आता है। महल मुगल और राजस्थानी शैली का मिश्रित रूप है. इसके अलावा, यहां रूपमती मंडप भी स्थित है, जिसे सेना द्वारा निगरानी रखने के लिए बनवाया गया था। मंडप किले के बिल्कुल किनारे पर बना है। यहां की खासियत यह है कि यहां से नर्मदा नदी और उसके मैदानों का सुंदर नजारा दिखाई पड़ता है. यहीं मंडप रानी रूपमती का आश्रय स्थल था। मांडू की सबसे प्रसिद्ध और आकर्षक इमारत जहाज महल है। यह बिल्कुल पानी के जहाज के आकार का बना है. इसकी लंबाई 120 मीटर और चौड़ाई 15 मीटर है। इस महल के पश्चिम और पूर्व में दो झीलें भी हैं। मुंज तालाब और कपूर तालाब नामक इन झीलों से घिरा यह महल ऐसा लगता है जैसे कोई जहाज बंदरगाह पर खड़ा हो। इस महल का निर्माण गयासुद्दीन खिलजी ने करवाया था। यहां पहाड़ी की खड़ी ढाल पर नीलकंठ मंदिर स्थित है और आज भी श्रद्धालु वहां पूजा-अर्चना करते हैं। इसके अलावा, यहां हाथी महल, दरियाखान मकबरा, मांडू के 12 प्रवेश द्वार, हिंडोला महल, रीवा कुंड, चम्पा बावली, अशरफी महल, जैन मंदिर आदि ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थल हैं, जिसे देखकर पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

कब जाएं

मांडू घूमने के लिए मानसून से बेहतर मौसम और कोई हो ही नहीं सकता. जुलाई से अगस्त तक मांडू घूमने के लिए उपयुक्त समय है। इस दौरान यहां की हरियाली और पानी से भरे हुए जलाशय पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बारिश से धुल कर यहां की ऐतिहासिक इमारतें और भी साफ नजर आने लगती हैं।

कैसे पहुंचें

वायुमार्ग: मांडू जाने के लिए इंदौर नजदीकी एयरपोर्ट है. यह प्रमुख एयरलाइन्स द्वारा भोपाल, ग्वालियर, मुंबई, दिल्ली और जयपुर से जुड़ा है। इंदौर से मांडू की दूरी 99 किमी है. सड़क मार्ग से यहां तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते हैं।

रेलमार्ग: यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन रतलाम और इंदौर हैं. यह इंदौर से 99 किमी. और रतलाम से 124 किमी. दूर है। इंदौर से मांडू बस या टैक्सी से भी पहुंच सकते हैं।

सड़क मार्ग : इंदौर मांडू मार्ग नियमित रूप से बस से जुड़ा हुआ है. भोपाल से भी मांडू के लिए बसें चलती हैं।

जहाज महल

जहाज महल माण्डू का सर्वाधिक चर्चित स्मारक है। चारों तरफ पानी से घिरे होने के कारण यह जहाज का दृश्य उपस्थित करता है। इसकी आकृति टी के आकार की है। इसका निर्माण परमार राजा मुंज के समय हुआ किंतु इसके सुदृढ़ीकरण का श्रेय गयासुद्दीन खिलजी को है। माण्डू की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अंतः भूगर्भीय संरचना है। माण्डू का फैलाव जितना ऊपर है उतना ही नीचे है। शत्रु के आक्रमण के समय यह भूगर्भीय रचना सुरक्षा का एक साधन भी थी। यह संरचना अपने निर्माण से आज भी विस्मृत करती है। धार व माण्डू के बीच बने 35 भवन एक अन्य आश्चर्यजनक निर्माण हैं। येभवन इको प्वाइंट का काम करते थे। सुल्तान जब माण्डू से धार के लिए निकलता था तो इन्हीं भवनों से उसके आने की खबर दी जाती थी। माण्डू से कुछ दूरी पर बूढ़ी माण्डू स्थित है। इसे ऋषि माण्डव्य या माण्डवी के नाम पर सिद्धक्षेत्र कहा गया है।